'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Programme 3rd Semester Examination, 2022

DSC1/2-P3-HINDI

आधुनिक हिन्दी कविता

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) भारतेंदु हरिश्चंद्र द्वारा रचित किन्हीं तीन नाटकों के नाम लिखिए।

(ख) मैथिलीशरण गुप्त कृत 'भारत-भारती' का मूल कथ्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) जयशंकर प्रसाद के किन्हीं तीन काव्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

(घ) 'बादल राग' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'चंदू! मैंने सपना देखा' कविता में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

(च) रघुवीर सहाय की किन्हीं दो काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

2. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24

(क) बेला विभ्रम की बीत चली
रजनीगंधा की कलि खिली
अब सांध्य मलय आकुलित दुकूल
कलित हो यों छिपते हो क्यों ?

(ख) सच मानिए, मैं नहीं है वह
क्योंकि मैं जब पहचानता हूँ तब
अपने को उस जाल के बाहर पाता हूँ।
फिर कुछ बँधता है, जो मैं न हूँ पर मेरा है,
वही कल्पक है।

(ग) आज लक्ष्य में है मानव के, स्थल, जल, अंबर
रेल-तार-बिजली-जहाज नभयानों-से भर
दर्प कर रहे हैं मानव, वर्ग से वर्गगण
भिड़े राष्ट्र से राष्ट्र, स्वार्थ से स्वार्थ विचक्षण

(घ) इस उदास गुमशुदा जगह में
जो सफेद है, मृत्युग्रस्त है
जो छाया है, सिर्फ रात है
जीवित है वह–जो बूढ़ा है या अधेड़ है
और हरा है–हरा यहाँ पर सिर्फ पेड़ है।

(ङ) है ज्ञात क्या तुमको नहीं, तुम लोग तीस करोड़ हो
यदि ऐक्य हो, तो फिर तुम्हारा कौन जग में जोड़ हो ?
उत्साह-जल से सींचकर हित का अखाड़ा गोड़ दो
गर्दन अमित्र अधःपतन की ताल ठोंक मरोड़ दो।।

(च) चंदू,मैंने सपना देखा, इम्तिहान में बैठे हो तुम
चंदू, मैंने सपना देखा, पुलिस यान में बैठे हो तुम
चंदू, मैंने सपना देखा, तुम हो बाहर, मैं हूँ अंदर
चंदू, मैंने सपना देखा, लाए हो तुम नया कैलेंडर

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए – $12 \times 2 = 24$

(क) ''जयशंकर प्रसाद प्रेम और सौंदर्य के कवि हैं''– इस कथन का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।

(ख) मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ग) निराला की कविताओं में निहित विद्रोह एवं क्रांतिकारी चेतना पर प्रकाश डालिए।

(घ) अज्ञेय की काव्यगत विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

——×——